मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKS–186

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.एस.-186 : अभिनय और पटकथा लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष उसके अंक दिये गये हैं। किसी एक भाषा में प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. पंचम वेद नाट्यवेद की उपयोगिता एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

कुशल, विदग्ध, प्रगल्भ, जितश्रमी नामक अभिनय योग्यताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. लोकधर्मी नाट्य परम्परा का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

नाट्यधर्मी के भेद एवं उनके स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. नाट्यप्रयोक्ता गणों में से 'सूत्रधार', 'स्थापक' और 'नटी' के कार्यों, गुणों एवं अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

संस्कृत नाट्यशास्त्र की परम्परा में 'नट' का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. नायकों की विशिष्ट श्रेणियों का परिचय देते हुए नायक, उपनायक और प्रतिनायक का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

पुरुष पात्रों की उत्तम, मध्यम और अधम प्रकृतियों का वर्णन कीजिए।

5. आङ्गिक अभिनय की उनके वेदों सहित व्याख्या कीजिए। 10

अथवा

वाचिक अभिनय का विवेचन कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिये:

$6 \times 5 = 30$

(क) बीज

(ख) बिन्दु

(ग) प्रकरी

(घ) यत्न

(ङ) प्रत्याशा

(च) संवाद

(छ) पूर्वरंग

(ज) उत्पाद्य

× × × × ×